

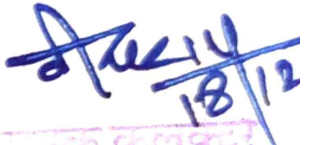
18.12.24

पत्रावली पेश हुई। न्यायानय समय में अधिवक्ता।
वादी एवं वादीगण के नाम से अलग-अलग
समय पर 3 तीन बार आवाज दिलाई गई।
कोई उपस्थित नहीं।

इससे स्पष्ट प्रतीत होता है कि अधिवक्ता
वादी एवं वादी अपने वाद को लेकर गंभीर
नहीं हैं।

लिहाजा वादी का वाद 'अदम पेरवी' व
'अदम हाजिरी' में स्वारिज किया जाता है।

इससे स्पष्ट प्रतीत होता है कि
पत्रावली फैसल शुमार होकर दारिखल दफतर
हो व नंबर से कम हो।


18/12
राजक कलक्टर
(SDQ), वाइनेर

